"राजभाषा प्रबंधन" विषय पर हिन्दी कार्यशाला का आयोजन

वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून में दिनांक 06 मार्च, 2020 को "राजभाषा प्रबंधन" पर एक हिन्दी कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस अवसर पर डॉ. जयन्ती प्रसाद नौटियाल, महानिदेशक, वैश्विक हिंदी शोध संस्थान, देहरादून विषय विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित थें। कार्यशाला के उद्घाटन सत्र में सबसे पहले संस्थान निदेशक ए.एस. रावत, भा.व.से. ने डॉ. नौटियाला जी का पुष्पगुच्छ एवं स्मृतिचिह्न से स्वागत किया। कार्यशाला में श्रीमती नीलिमा शाह, कुलसचिव, महोदया ने आमंत्रित विषय विशेषज्ञ का स्वागत करते हुये कार्यशाला के सफल आयोजन के लिए उपस्थित वरिष्ठ वैज्ञानिकों एवं अधिकारियों को आभार प्रकट किया । इसके उपरांत डॉ. नौटियाल जी ने "राजभाषा प्रबंधन" विषय पर विस्तार से चर्चा की एवं प्रतिभागियों द्वारा पूछे गए अनेक प्रश्नों का भी उन्होंने संतुष्टिपूर्ण समाधन दिए।

कार्यशाला की समाप्ति की घोषणा श्री शंकर शर्मा, सहायक निदेशक, (राजभाषा) के धन्यवाद ज्ञापन के साथ की गई।

<u>कार्यशाला की कुछ झलकियाँ</u>

हिन्दी कार्यशाला
दिनांक : 06 मार्च 2020
महानिदेशक

विषय विशेषज्ञ

हिन्दी कार्यशाला

हिन्दी कार्यशाला
दिनांक : 06 मार्च 2020
विषय विशेषज्ञ : डॉ. जयन्ती प्रसाद नौटियाल
महानिदेशक
वैश्विक हिन्दी शोध संस्थान, देहरादून
आयोजक : हिन्दी अनुभाग, वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून

विभिन्न समाचार पत्रों में प्रकाशित हिन्दी कार्यशाला संबंधी समाचार

एफआरआई में राजभाषा प्रबंधन पर कार्यशाला

शाह टाइम्स संवाददाता

देहरादून। वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून के हिंदी अनुभाग द्वारा शुक्रवार को राजभाषा हिंदी के प्रचार-प्रसार एवं कार्यान्वयन को बढ़ावा देने के लिए "राजभाषा प्रबंधन" पर एकदिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का उद्देश्य संस्थान के वैज्ञानिकों एवं अधिकारियों की हिंदी में कार्य करने में रूचि बढ़ाना एवं राजभाषा कार्यान्वयन के निजी उत्तरदायित्व से परिचय कराना था।

कार्यशाला के उद्घाटन सत्र में नीलिमा शाह, कुलसचिव महोदया ने ए.एस.रावत, निदेशक, वन अनुसंधान संस्थान एवं विषय विशेषज्ञ डॉ. जयन्ती प्रसाद नौटियाल, महानिदेशक, वैश्विक हिंदी शोध संस्थान तथा संस्थान के वरिष्ठ वैज्ञानिकों एवं अधिकारियों का स्वागत किया।

संस्थान निदेशक ने अपने भाषण में कहा कि जापान, चीन, रूस आदि देश अपनी मातृभाषा के प्रयोग के बल पर विकसित हुए है। अत: हमें संस्थान में हिंदी में ही कार्य करना चाहिए। अपने व्याख्यान में डॉ. नौटियाल ने हिंदी के महत्व को कई उदाहरणों के माध्यम से समझाया और सिद्ध किया कि हिंदी हमारें सस्कारों एवं सोच में निहित है तथा हिंदी से ही हमारा राष्ट्र समृद्ध एवं विकसित होगा। प्रश्नोत्तर सत्र के दौरान वैज्ञानिकों और अधिकारियों के समस्याओं का समाधान भी दिया गया। शंकर शर्मा, सहायक निदेशक (राजभाषा) के धन्यवाद ज्ञापन उपरांत कार्यशाला का समापन किया गाय।

वन अनुसंधान संस्थान में "राजभाषा प्रबंधन" पर कार्यशाला आयोजित

गढ़ संवेदना संवाददाता

देहरादून। वन अनुसंधान संस्थान देहरादून के हिंदी अनुभाग द्वारा राजभाषा हिंदी के प्रचार-प्रसार एवं कार्यान्वयन को बढ़ावा देने के लिए "राजभाषा प्रबंधन" पर एकदिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का उद्देश्य संस्थान के वैज्ञानिकों एवं अधिकारियों की हिंदी में कार्य करने में रूचि बढ़ाना एवं राजभाषा कार्यान्वयन के निजी उत्तरदायित्व से परिचय कराना था। कार्यशाला के उद्घाटन सत्र में नीलिमा शाह कुलसचिव ने ए.एस.रावत, निदेशक, वन अनुसंधान संस्थान एवं विषय विशेषज्ञ डॉ. जयन्ती प्रसाद नौटियाल, महानिदेशक, वैश्विक हिंदी शोध संस्थान, देहरादून तथा संस्थान के वरिष्ठ वैज्ञानिकों एवं अधिकारियों का स्वागत किया। संस्थान निदेशक ने अपने भाषण में कहा कि जापान, चीन, रूस आदि देश अपनी मातृभाषा के प्रयोग के बल पर विकसित हुए है। हमें संस्थान में हिंदी में ही कार्य करना चाहिए। अपने व्याख्यान में डॉ. नौटियाल ने हिंदी के महात्व को कई उदाहरणों के माध्यम से समझाया और सिद्ध किया कि हिंदी हमारे सस्कारों एवं सोच में निहित है तथा हिंदी से ही हमारा राष्ट्र समृद्ध एवं विकसित होना। प्रश्नोत्तर सत्र के दौरान वैज्ञानिकों और अधिकारियों के समस्याओं का समाधान भी दिया गया। शंकर शर्मा, सहायक निदेशक (राजभाषा) के धन्यवाद ज्ञापन उपरांत कार्यशाला का समापन किया गया।

राजभाषा प्रबंधन पर कार्यशाला आयोजित

उत्तर भारत लाइव ब्यूरो
uttarbharatlive.com

देहरादून। वन अनुसंधान संस्थान के हिंदी अनुभाग द्वारा राजभाषा हिंदी के प्रचार-प्रसार एवं कार्यान्वयन को बढ़ावा देने के लिए राजभाषा प्रबंधन पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।

» हिंदी के प्रचार-प्रसार को बढ़ावा पर दिया जोर

इस कार्यशाला का उद्देश्य संस्थान के वैज्ञानिकों एवं अधिकारियों की हिंदी में कार्य करने में रूचि बढ़ाना एवं राजभाषा कार्यान्वयन के निजी उत्तरदायित्व से परिचय कराना था। कार्यशाला के उद्घाटन सत्र में नीलिमा शाह, कुल सचिव ने एएस रावत, निदेशक, वन अनुसंधान संस्थान एवं विषय विशेषज्ञ डॉ. जयन्ती प्रसाद नौटियाल, महानिदेशक, वैश्विक हिंदी शोध संस्थान, देहरादून तथा संस्थान के वरिष्ठ वैज्ञानिकों एवं अधिकारियों का स्वागत किया। संस्थान निदेशक ने अपने भाषण में कहा कि जापान, चीन, रूस आदि देश अपनी मातृभाषा के प्रयोग के बल पर विकसित हुए है। डॉ. नौटियाल ने हिंदी के महत्व को कई उदाहरणों के माध्यम से समझाया और सिद्ध किया कि हिंदी हमारें सस्कारों एवं सोच में निहित है तथा हिंदी से ही हमारा राष्ट्र समृद्ध एवं विकसित होगा।

.rashtriyasahara.com 2

मातृभाषा के बल पर कई देश हुए विकसित

सदन में मुद्दा उठाए जाने पर दिया धन्यवाद

9:22 AM | 0.0KB/s

.rashtriyasahara.com 3

महाविद्यालय की महिला प्राध्यापक प्रो. दक्षा जोशी, ड़ा. मधु थपलियाल, ड़ा. अनीता चौहान, ड़ा. सरिता तिवारी को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन प्रो. दक्षा जोशी ने किया॥। मातृभाषा के बल पर कई देश हुए विकसित॥ देहरादून। वन अनुसंधान देहरादून के हिंदी अनुभाग की ओर से राजभाष हिंदी के प्रचार–प्रसार एवं कार्यान्वयन को बढ़ावा देने के लिए शुक्रवार को राजभाषा प्रबंधन पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस अवसर पर संस्थान के निदेशक ने एएस रावत कहा कि जापान, चीन व रूस आदि देश अपनी मातृभाषा के प्रयोग के बल पर विकसित हुए है। अतः हमें संस्थान में हिंदी में ही कार्य करना चाहिए। ड़ा. विषय विशेषज्ञ ड़ा. जयंती प्रसाद नौटियाल ने हिंदी के महत्व को कई उदाहरणों के माध्यम से समझाया और सिद्ध किया कि हिंदी हमारें सस्कारों एवं सोच में निहित है। हिंदी से ही हमारा राष्ट्र समृद्ध एवं विकसित होगा। कार्यशाला के प्रश्नोत्तर सत्र के दौरान वैज्ञानिकों और अधिकारियों के समस्याओं का समाधान भी किया गया। कार्यशाला में नीलिमा शाह कुलसचिव सहित संस्थान के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अधिकारी मौजूद थे॥। सदन में मुद्दा उठाए जाने पर

Mon. Mar 9th, 2020

गढ़ निनाद समाचार
(जन–जन की आवाज़)

(https://www.garhninad.com/)

वन अनुसंधान संस्थान में "राजभाषा प्रबंधन" पर कार्यशाला

1 min read

3 days ago Govind Pundir (https://www.garhninad.com/author/gspundir/)

गद निनाद 6 मार्च 2020

देहरादून/नई टिहरी:वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून के हिंदी अनुभाग द्वारा 06 मार्च,2020 को राजभाषा हिंदी के प्रचार-प्रसार एवं कार्यान्वयन को बढ़ावा देने के लिए "राजभाषा प्रबंधन" पर एकदिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का उद्देश्य संस्थान के वैज्ञानिकों एवं अधिकारियों की हिंदी में कार्य करने में रूचि बढ़ाना एवं राजभाषा कार्यान्वयन के निजी उत्तरदायित्व से परिचय कराना था।

कार्यशाला के उद्घाटन सत्र में श्रीमती नीलिमा शाह, कुलसचिव महोदया ने ए.एस.राक्त, निदेशक, वन अनुसंधान संस्थान एवं विषय विशेषज्ञ डॉ. जयन्ती प्रसाद नौटियाल, महानिदेशक, वैश्विक हिंदी शोध संस्थान, देहरादून तथा संस्थान के वरिष्ठ वैज्ञानिकों एवं अधिकारियों का स्वागत किया।

Garh Ninad
@GarhNinad

वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून के हिंदी अनुभाग द्वारा 06 मार्च, 2020 को राजभाषा हिंदी के प्रचार-प्रसार एवं कार्यान्वयन को बढ़ावा देने के लिए "राजभाषा प्रबंधन" पर एकदिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।
#fridehradun #hindi #हिंदी #राजभाषा

1 min read

राजनीति
(https://www.garhninad.com/category/politics/)
संपादकीय
(https://www.garhninad.com/category/editorial/

कांग्रेस : दूर की कौड़ी सिर्फ़ साठ!
(https://www.garhninad.co
only-the-far-fetched-
sixty/)

1 week ago Govind Pundir
(https://www.garhninad.com/author/gspundir/)

राजनीति
(https://www.garhninad.com/catego
संपादकीय
(https://www.garhninad.com/catego
कांग्रेस की छलांग झील के उस पार
(https://www.garhninad.con
leap-across-the-lake/)

संपादकीय
(https://www.garhninad.com/catego
बड़े साब की डांट का असर रेलिंग तक
(https://www.garhninad.con
of-the-big-sahab-
scolding-to-railing/)

संपादकीय
(https://www.garhninad.com/catego
बहस बीच बुधू का हस्तक्षेप
(https://www.garhninad.con
intervention-amidst-
debate/)